दैनिक भास्कर जींद भास्कर 27-02-2026

सीआरएसयू के अंतरराष्ट्रीय शोध सहयोग बुलेटिन का विमोचन

जींद| सीआरएसयू के अंतरराष्ट्रीय शोध सहयोग बुलेटिन का विमोचन प्रदेश के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने किया। वीसी प्रो. राम पाल सैनी के

नेतृत्व में तैयार यह बुलेटिन विश्वविद्यालय द्वारा किए गए वैश्विक समझौता ज्ञापनों, संयुक्त शोध परियोजनाओं और अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों का समग्र दस्तावेज है। इस अवसर पर वीसी ने राज्यपाल को विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों और भावी रणनीतियों की जानकारी दी। राज्यपाल की पत्नी मित्रा घोष को सम्मानित किया गया।बुलेटिन में भारत-जापान उच्च शिक्षा मिशन के तहत क्योटो विश्वविद्यालय, टोक्यो विश्वविद्यालय सहित अन्य संस्थानों के साथ सहयोग का उल्लेख है। विश्वविद्यालय में 60 करोड़ रुपए की लागत से केंद्रीय उपकरण प्रयोगशाला स्थापित करने की योजना भी साझा की गई। राज्यपाल ने इसे वैश्विक रैंकिंग की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

पंजाब केसरी
FRI,27 FEBRUARY 2026
EDITION: JIND KESARI, PAGE NO. 1

राज्यपाल के समक्ष शोध उपलब्धियों का किया प्रस्तुतिकरण : प्रो. राम पाल सैनी

जींद, 26 फरवरी (ललित) : हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष द्वारा चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद के अंतर्राष्ट्रीय शोध सहयोग बुलेटिन का विमोचन किया गया। इस बुलेटिन में चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद द्वारा किए गए सभी एम.ओ.यू. एवं जो भी अंतर्राष्ट्रीय शोध सहयोग स्थापित किए गए हैं उनका विवरण है।

कुलगुरु प्रो. राम पाल सैनी के नेतृत्व में यह विश्वविद्यालय की बहुत बड़ी उपलब्धि है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलगुरु ने राज्यपाल को बुलेटिन भेंट करते हुए विश्वविद्यालय की वैश्विक शोध उपलब्धियों, अंतर्राष्ट्रीय सांझेदारियों तथा भावी रणनीतिक योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद के अंतर्राष्ट्रीय शोध सहयोग बुलेटिन का विमोचन करते महामहिम राज्यपाल।

कार्यक्रम दौरान राज्यपाल की धर्मपत्नी मित्रा घोष को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। अंतर्राष्ट्रीय शोध सहयोग बुलेटिन-विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित वैश्विक अकादमिक सांझेदारियों, हस्ताक्षरित एम.ओ.यू., संयुक्त शोध परियोजनाओं तथा शोध उपलब्धियों का समग्र दस्तावेज है। इसके अंतर्गत भारत–जापान उच्च शिक्षा मिशन के तहत जापान की प्रतिष्ठित संस्थाओं के साथ स्थापित शैक्षणिक एवं शोध सहयोग का विवरण सम्मिलित है। इन सांझेदारियों के माध्यम से संयुक्त अनुसंधान, तकनीकी सहयोग, छात्र एवं संकाय विनिमय तथा वैश्विक अकादमिक नैटवर्क विस्तार को गति मिली है।

विश्वविद्यालय ने विश्व के अग्रणी वैज्ञानिकों के साथ शोध सहयोग स्थापित किया है, जो पुर्तगाल स्थित इंस्टीच्यूटों सुपीरियर टैक्नीकों एवं यूनिवर्सिडेड डी लिस्बोआ के सेंट्रो डी क्विमिका एस्ट्रुटुरल से संबद्ध है।

वैश्विक सहयोग को संस्थागत स्वरूप प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय संबंध निदेशालय एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंध प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। निदेशालय में प्रो. विशाल वर्मा (निदेशक), डॉ. विजय कुमार (उप-निदेशक) एवं डॉ. नरेश कुमार (सहायक निदेशक) को दायित्व सौंपे गए हैं, जबकि प्रकोष्ठ में डॉ. राकेश सिंहमार, डॉ. निशा देऊपा, डॉ. अलका सेठ, डॉ. अरुण कुमार एवं डॉ. जयपाल मान को सदस्य नामित किया गया है।

विश्वविद्यालय ने डॉ. वीरेंद्र एवं डॉ. संदीप कुमार को अंतर्राष्ट्रीय विजिटिंग रिसर्चर के रूप में नामित कर संयुक्त शोध एवं वैश्विक अकादमिक सहभागिता को नई दिशा दी है। कुलगुरु प्रो. राम पाल सैनी ने कहा कि यह बुलेटिन विश्वविद्यालय की शोध संस्कृति, नवाचार एवं वैश्विक पहचान को सुदृढ़ करने वाला ऐतिहासिक दस्तावेज है।

CRSU Emerges on the Global Stage: Research Achievements Presented to Governor: Prof. Ram Pal Saini

CHAMAN LAL
JIND, FERUARY 26

Prof. Ashim Kumar Ghosh, Honorable Governor of Haryana, released the International Research Collaboration Bulletin of Chaudhary Ranbir Singh University, Jind. This bulletin details all the MoUs signed by Chaudhary, Ranbir Singh University, Jind, and the international research collaborations established. This is a significant achievement for the University under the leadership of Vice Chancellor, Prof. Ram Pal Saini.On this occasion, Vice Chancellor, Prof. Ram Pal Saini, presented the bulletin to the Governor and provided detailed information about the University's global research achievements, international partnerships, and future strategic plans. During the event, the Governor's wife, Mrs. Mitra Ghosh, was honoured with a bouquet.

The International Research Collaboration Bulletin is a comprehensive document of the University's established global academic partnerships, signed MoUs, joint research projects, and research achievements. This includes details of academic and research collaborations established under the India-Japan Higher Education Mission with prestigious Japanese institutions—Kyoto University, Osaka Metropolitan University, Kansai University, University of Tokyo, Sophia University, and the Japan External Trade Organization. These partnerships have fostered joint research, technical collaboration, student and faculty exchange, and the expansion of the global academic network. The University has established research collaborations with world-leading scientists—Armando J. L. Pombeiro and Brij Mohan—affiliated with the Instituto Superior Técnico and the Centro de Química Estrutural of the Universidade de Lisboa, Portugal.In addition, the University's research work, "Non-architecturally assisted MXene and MOF materials for high-performance oil–water separation," has been published by the prestigious Elsevier publishing house .

राजभवन पहुंचा सीआरएसयू की शोध उपलब्धियों का प्रस्तुतीकरण, राज्यपाल ने किया लोकार्पण

जींद(जुलाना), 26 फरवरी (हप्र)

हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष को सीआरएसयू की शोध उपलब्धियों का विवरण देते हुए कुलगुरू प्रो. रामपाल सैनी। -हप्र

हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष द्वारा चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय (सीआरएसयू) जींद की अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान सहयोग विवरणिका का लोकार्पण किया गया। यह विवरणिका विश्वविद्यालय द्वारा विगत वर्षों में स्थापित वैश्विक शैक्षणिक सहभागिताओं, हस्ताक्षरित सहमति-पत्रों, संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं तथा उल्लेखनीय शोध उपलब्धियों का समग्र, तथ्यात्मक एवं प्रामाणिक अभिलेख प्रस्तुत करती है। लोकार्पण अवसर पर कुलगुरु प्रो. राम पाल सैनी ने राज्यपाल को विवरणिका भेंट करते हुए विश्वविद्यालय की वैश्विक अनुसंधान प्रगति, अंतरराष्ट्रीय सहभागिताओं की दिशा एवं भावी रणनीतिक कार्य योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल की धर्मपत्नी श्रीमती मित्रा घोष को पुष्पगुच्छ अर्पित कर सम्मानित किया गया।

विवरणिका में भारत–जापान उच्च शिक्षा अभियान के अंतर्गत जापान की प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे क्योटो विश्वविद्यालय, ओसाका महानगरीय विश्वविद्यालय, कंसाई विश्वविद्यालय, टोक्यो विश्वविद्यालय, सोफिया विश्वविद्यालय तथा जापान बाह्य व्यापार संगठन के साथ स्थापित शैक्षणिक एवं अनुसंधान सहयोग का विस्तृत विवरण सम्मिलित है। इन सहभागिताओं के माध्यम से संयुक्त अनुसंधान, तकनीकी सहयोग, विद्यार्थी एवं प्राध्यापक विनिमय कार्यक्रमों तथा वैश्विक शैक्षणिक संपर्क के विस्तार को गति मिली है, जिससे विश्वविद्यालय के शैक्षणिक मानकों और शोध क्षमता में गुणात्मक वृद्धि दर्ज की गई है। विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिकों आर्माडो जे. एल. पोम्बेइरो तथा ब्रिज मोहन के साथ भी अनुसंधान सहयोग स्थापित किया है। ये वैज्ञानिक पुर्तगाल स्थित इंस्टिट्यूटो सुपीरियर टेक्निको तथा लिस्बन विश्वविद्यालय के संरचनात्मक रसायन विज्ञान केंद्र से संबद्ध हैं। इस सहयोग से उन्नत प्रयोगशाला संसाधनों तक पहुंच, संयुक्त प्रकाशन तथा अनुसंधान प्रशिक्षण के अवसर सृजित हुए हैं।

सीआरएसयू के कुलगुरु प्रो. रामपाल सैनी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी देते हुए विवरणिका में विश्वविद्यालय के एक प्रमुख शोध कार्य उच्च कार्यक्षमता वाले तेल–जल पृथक्करण हेतु एम-एक्सीन तथा धातु–कार्बनिक ढाँचा आधारित पदार्थ के प्रतिष्ठित प्रकाशन संस्था एल्सेवियर की उच्च श्रेणी की शोध पत्रिका सेपरेशन एंड प्यूरिफिकेशन टेक्नोलॉजी में स्वीकृत होने का उल्लेख है।

यह उपलब्धि पर्यावरण संरक्षण, विशेषतः औद्योगिक अपशिष्ट से तेल–जल पृथक्करण जैसी तकनीकी चुनौतियों के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इस बहु-संस्थागत शोध में आरडब्ल्यूटीएच आखेन विश्वविद्यालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इंदौर तथा पंजाब विश्वविद्यालय का सहयोग प्राप्त हुआ। प्रो. रामपाल सैनी ने बताया कि विवरणिका में लगभग 60 करोड़ रुपये की लागत से केंद्रीय उपकरण प्रयोगशाला की स्थापना की महत्वाकांक्षी योजना का उल्लेख है, जिसका उद्देश्य अंतःविषयी अनुसंधान को प्रोत्साहन देना, शोधार्थियों को उन्नत उपकरण उपलब्ध कराना तथा उद्योग अकादमिक सहभागिता को सुदृढ़ करना है। राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय सहयोग उच्च शिक्षा में गुणवत्ता, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे।

अमर उजाला

Date-27.02.2026

60 करोड़ रुपये से अत्याधुनिक सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन लेबोरेटरी बनाई जाएगी

सीआरएसयू : राज्यपाल ने अंतरराष्ट्रीय शोध सहयोग बुलेटिन का किया विमोचन

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में वीरवार को हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय शोध सहयोग बुलेटिन का विमोचन किया। कुलपति प्रो. राम पाल सैनी के नेतृत्व में विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि को ऐतिहासिक बताया जा रहा है।

कुलपति ने राज्यपाल को बुलेटिन भेंट करते हुए बताया कि विश्वविद्यालय ने भारत-जापान उच्च शिक्षा मिशन के तहत जापान की प्रतिष्ठित क्योटो यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ टोक्यो और ओसाका मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी जैसी संस्थाओं के साथ शैक्षणिक एवं शोध सहयोग स्थापित किया है।

इसके अलावा विश्वविद्यालय ने विश्व के अग्रणी वैज्ञानिकों अरामांडो जे एल पोम्बेइरो और ब्रिज मोहन (पुर्तगाल) के साथ भी संयुक्त अनुसंधान की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। ये साझेदारियां छात्र एवं संकाय विनिमय और वैश्विक अकादमिक नेटवर्क को

राज्यपाल असीम घोष कुलपति प्रो. रामपाल सैनी के साथ अंतरराष्ट्रीय शोध सहयोग बुलेटिन का विमोचन करत। स्रोत : विश्वविद्यालय

विस्तार देंगी। विश्वविद्यालय का शोध कार्य उच्च प्रदर्शन वाले तेल-जल पृथक्करण के लिए गैर-वास्तु संबंधी सहायता प्राप्त एमएक्सईन और एमओएफ सामग्री विश्व प्रसिद्ध प्रकाशन संस्था के प्रतिष्ठित जर्नल में स्वीकृत हुआ है।

9.0 इंपैक्ट फैक्टर वाले इस शोध से तेल-जल पृथक्करण की तकनीकी चुनौतियों का समाधान मिलेगा। इस महत्वपूर्ण शोध में आईआईटी इंदौर, पंजाब यूनिवर्सिटी और जर्मनी की आरडब्ल्यूटीएच आचेन यूनिवर्सिटी का भी सहयोग रहा है।

बुलेटिन में विश्वविद्यालय की महत्वाकांक्षी योजना का भी उल्लेख है जिसके तहत लगभग 60 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन लेबोरेटरी स्थापित की जाएगी। यह प्रयोगशाला उन्नत उपकरणों से लैस होगी और अंत विषयी शोध (अंतर विषयक अनुसंधान) को बढ़ावा देगी।

वैश्विक सहयोग को संस्थागत रूप देने के लिए अंतरराष्ट्रीय संबंध निदेशालय का गठन किया गया है जिसमें प्रो. विशाल वर्मा को निदेशक, डॉ. विजय कुमार को उप-निदेशक एवं डॉ. नरेश कुमार को सहायक निदेशक का दायित्व सौंपा गया है। इसके अलावा एक विशेष प्रकोष्ठ भी बनाया गया है।

कुलपति प्रो. सैनी ने कहा कि यह बुलेटिन विश्वविद्यालय को वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में स्थापित करने की दिशा में एक सशक्त कदम है। राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय सहयोग उच्च शिक्षा में गुणवत्ता और नवाचार की नई ऊंचाइयों को छुएंगे। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल की धर्मपत्नी मित्रा घोष को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया।